एनजीटी सख्त, एक सप्ताह में मांगा जवाब

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में दस हाथियों की मौत का मामला

उमरिया, देशबन्धु। मध्य प्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में हाथियों की रहस्यमय मौत के मामले ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने स्वत: संज्ञान लिया है। ट्रिब्यूनल ने इस गंभीर मुद्दे पर प्रदेश और केंद्रीय अधिकारियों को नोटिस जारी किया है। संबंधित विभागों को एक सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए गए हैं। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में हाल ही में 10 हाथियों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी। शुरुआती जांच में मौतों का कारण दूषित कोदो बाजरा में मौजूद मायकोटॉक्सिन को बताया जा रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, संभागवाना है कि कोदो में फंगल संक्रमण था, जिसको खाने से हाथियों की मौत हो गई।

एनजीटी ने प्रधान मुख्य वन संरक्षक (मध्य प्रदेश), मुख्य वन्यजीव संरक्षक, उमरिया कलेक्टर, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई), भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) और केंद्रीय कृषि मंत्रालय के सचिव को नोटिस जारी किया है। सभी को अगली सुनवाई से पहले, हलफनामे के रूप में अपना जवाब दाखिल करने के लिए कहा गया है। एनजीटी ने इस घटना को पर्यावरण

संरक्षण अधिनियम, 1986 और वन संरक्षण अधिनियम, 1980 का संभावित उल्लंघन बताया है। इस मामले को भोपाल की केंद्रीय क्षेत्रीय पीठ को स्थानांतरित कर दिया गया है। ट्रिब्यूनल ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि किसी अधिकारी ने बिना वकील की सलाह के जवाब दाखिल किया, तो उन्हें वर्चुअली उपस्थित रहना होगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि कोदो में फंगल संक्रमण, विशेष रूप से मानसून के दौरान, मायकोटॉक्सिन पैदा करता है। यह विषाक्तता जानवरों और मनुष्यों के लिए खतरनाक हो सकती है। इससे लीवर और किडनी से संबंधित समस्याएं, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल विकार और यहां तक कि मौत भी हो सकती है, वहीं, इस मामले में वाइल्ड लाइफ एक्टिविस्ट अजय दुबे ने कहा कि हाथी मध्य प्रदेश में स्थायी निवासी 2017-18 से हो गए। इस विषय पर भारत सरकार को मध्य प्रदेश, बंगाल, झारखंड, छत्तीसगढ़, उड़ीसा के बीच के लैंड स्कैप में हाथी प्रबंधन पर गंभीरता से काम करना था, लेकिन नहीं किया गया। मानव हाथी संघर्ष प्रबंधन फेल हो गया। इस तरह की घटाओं को रोकने के लिए इस गंभीरता से काम करने की जरूरत है।

जहां हाथियों की मौत हुई, वहां कोदो का भाव घटा

उमरिया। उमरिया के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में 29 से 31 अक्टूबर के बीच 10 हाथियों की मौत के बाद कोदो मिलेट्स उत्पादन करने वाले किसानों के लिए नया संकट खड़ा हो गया है। श्री अन्न के नाम से ब्रांडिंग हो रही है, लेकिन इस फसल को खरीदार नहीं मिल रहे।

हाथियों को भगाने में वन विभाग नाकाम

प्रशासन के दावे खोखले, बनास नदी के कंडी घाट में 25 हाथियों ने जमाया स्थाई डेरा

ब्यौहारी, देशबन्धु। संजय टाइगर रिजर्व और ब्यौहारी के पूर्वी रेंज के अंतर्गत आने वाले ग्राम सरवाही कला में एक हफ्ते से हाथियों ने डेरा डाल रखा है और किसान की फसल चौपट कर रहे हैं, लेकिन हाथियों को भागने में वन विभाग नाकाम साबित हो रहा है। गांव में आधुनिक तकनीक से खेती करने वाले हरियाणा से आये किसान कपिल कुंडू ने बताया कि मेरी 10 एकड़ में लगी गन्ने की फसल को हाथियों ने पूरी तरह से चौपट कर दिया है। इसके अलावा धान की फसल को भी नुकसान पहुंचा है। मैंने सोलर फैंसिंग कराई थी, उसको भी हाथियों ने तोड़ दिया है, लेकिन अभी तक वन विभाग हाथियों को भगाया नहीं है, जिससे वह बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की ओर निकल जाएं।

सिर्फ यह चल रहा है कि बफर ब्यौहारी से संजय टाइगर के कोर जोन में भेज दिया जाता है और संजय टाइगर रिजर्व से हाथी फिर से बनास नदी को पार करके सरवाही कला में आ जाते हैं। वन विभाग का यह काम हफ्तों से चल रहा है, जबकि अपने पालतू हाथियों के माध्यम से जंगली हाथियों को उनके परंपरागत रास्ते पर भेज देना चाहिए। पार्क प्रबंधन के इस रवैय्ये से गांव के किसान बेहद परेशान हैं। वन विभाग को शीघ्र बड़े स्तर पर हाथियों को खदेड़ने का प्रयास करना चाहिए। इसके लिए बांधवगढ़ और संजय टाइगर रिजर्व से पर्याप्त मात्रा में पालतू हाथियों को बुलाया जाना जरूरी है, तभी यह काम हो सकेगा, क्योंकि अकेले संजय टाइगर रिजर्व बफर और पूर्वी रेंज के प्रयासों से नहीं हो सकेगा। शासन को शीघ्र इसका समाधान निकालना चाहिए।

मुआवजा के दावों की खुली पोल-शासन द्वारा बड़े जोर शोर से यह दावा किया जाता है कि जो भी नुकसानी होगी वह भरपाई की जाएगी, लेकिन गांव के किसान की 10 एकड़ की फसल और 10 एकड़ की फेंसिंग पूरी तरह से टूट गई है। लगभग 20 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। इसकी सूचना कई बार राजस्व विभाग को दी गई, लेकिन सूचना के 15 दिन बाद भी राजस्व विभाग को मौका मुआयना करने का समय नहीं मिल सका।

कंडी घाट में हाथियों ने जमाया डेरा-बोचरो और सरवाही के बीच बनास नदी के उस पार संजय टाइगर रिजर्व के कंडी घाट में हाथियों ने अपना परमानेंट अड्डा बना लिया है और 25 हाथियों का झुंड है, जो दिन में वहां आराम करता है और रात में बनास नदी को पार करके सरवाही और आसपास के गांव में पहुंचकर फसल को चौपट कर रहा है। किसानों का कहना है कि वन विभाग द्वारा कोई सहयोग नहीं किया जा रहा है।

इनका कहना है

हमारे पास जो संसाधन हैं, हम प्रयास कर रहे हैं। हमारी टीम लगी हुई है, लेकिन ये संजय टाइगर रिजर्व के हाथी हैं, दिन में टाइगर रिजर्व के दुबरी रेंज कुसमी जिला सीधी में रहते हैं, लेकिन उस साइड कोई गांव नहीं लगा हुआ है। गांव वालों का कोई नुकसान नहीं होता है, इसलिए वहां के वन अधिकारी कोई ध्यान नहीं देते। हमारे इधर गांव लगे हुए हैं, हमारे द्वारा पूरा प्रयास किया जा रहा है, पर हमारे पास ज्यादा संसाधन नहीं हैं। संजय टाइगर रिजर्व द्वारा ध्यान देना चाहिए और स्थाई रूप से हाथियों को भगाने के लिए समाधान करना चाहिए।

संदीप गौतम, वन परिक्षेत्र अधिकारी पूर्व ब्यौहारी-1

सार-समाचार

तेज रफ्तार बोलेरो की टक्कर से मवेशी चरा रहे अधेड़ की मौत

शहडोल, देशबन्धु। मवेशी चरा रहे अधेड़ को तेज रफ्तार बोलेरो ने कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। इस घटना में दो मवेशियों की भी मौत होने के बाद लोगों में आक्रोश है। घटना के बाद लोगों ने सड़क पर जाम लगा दिया। घटना की जानकारी लगने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मोर्चा संभालते हुए लोगों को समझा बुझाकर मामले को शांत कर दिया है। घटना देवलौंद के जगमल गांव में शनिवार की दोपहर 12 बजे की है।

चपेट में आए दो मवेशियों ने भी तोड़ा दम

बताया गया की त्रिभुवन पिता रामशरण उम्र 55 वर्ष निवासी जगमल अपने मवेशियों को लेकर सड़क किनारे लगे जंगल में चरा रहा था। तभी तेज रफ्तार बोलेरो वाहन ने उसे कुचल दिया। वाहन की चपेट में आने से अधेड़ एवं उसके दो मवेशियों की मौके पर मौत हो गई। घटना देख स्थानीय लोग मौके पर दौड़ पड़े जब तक वाहन छोड़कर बोलेरो चालक मौके से फरार हो गया।

अधेड़ एवं मवेशियों की मौत से नाराज लोगों ने सड़क पर बैठकर मार्ग को जाम कर दिया। यह मार्ग समधिन से बुढ़वा गांव को जोड़ता है। घटना की जानकारी कुछ लोगों ने थाना पुलिस को दी। जानकारी लगने के बाद देवलौंद थाना प्रभारी अपने दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और समझा बुझकर लोगों को सड़क से हटवाया गया। उसके बाद मार्ग को शुरू करवाया गया है। ग्रामीणों की मांग थी कि वाहन चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया है, उसे जल्द से जल्द पकड़ा जाए। इसी मांग को लेकर लोगों ने सड़क पर बैठकर विरोध जताया था। थाना प्रभारी डी के दहिया ने बताया कि मौके से बोलेरो वाहन को जब्त किया है। चालक की तलाश पुलिस कर रही है, दुर्घटना में अधेड़ एवं दो मवेशियों की मौत हुई है। पुलिस मामले पर जांच कर रही है। बोलेरो वाहन के नंबर से पुलिस चालक एवं वाहन मालिक का पता लग रही है।

24 घंटे बाद मिले आठवीं कक्षा के चार लापता बच्चे

उमरिया, देशबन्धु। जिला मुख्यालय स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्कूल हॉस्टल के चार बच्चे लापता हो गए थे। इसके बाद क्षेत्र में सनसनी मच गई। पुलिस और शिक्षा विभाग के अधिकारी बच्चों की तलाश में जुट गए। शुक्रवार को तीन बच्चे उमरिया रेलवे स्टेशन और एक बच्चा शहडोल में मिला। परिजनों ने बताया कि बच्चे हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करते हैं।

मरिया में किसानों के लिए पर्याप्त खाद उपलब्ध

उमरिया, देशबन्धु। उमरिया जिले में रबी की फसल के लिए खाद के स्टॉक को बनाकर रखा है, जिससे खाद की कमी और किसानों को परेशानी न हो। विभाग की ओर से लगातार उपलब्ध खाद की जानकारी किसानों तक पहुंचाई जा रही है।

रोटरी क्लब ने दिव्यांग छात्रावास में किया कार्यक्रम

शहडोल, देशबन्धु। रोटरी क्लब शहडोल द्वारा बाल दिवस के अवसर पर 15 नवंबर को दिव्यांग छात्रावास पांडवनगर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें वहां रहने वाले दृष्टिबाधित, मूकबधिर एवं मानसिक रूप से कमज़ोर बच्चों के मनोरंजन हेतु खेलकूद की कुछ सामग्री व स्वल्पाहार प्रदान किया गया। साथ ही उन सबके साथ कुछ समय बिताया व उनकी दिनचर्या व उन्हें प्रदत्त सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष प्रकाश गुप्ता, अजय विजरा, राजेश गुप्ता, सतेंद्र सोनी सचिव, डॉ दीपक कुशवाहा कोषाध्यक्ष, रविशंकर पाठक, राजेश कटारे, अमित गुप्ता, धर्मेंद्र नामदेव, अमित कुमार गुप्ता, वाजिद अली, गोपाल शर्मा एवं विनोद प्रधान कार्यक्रम संयोजक उपस्थित रहे।

भुगतान नहीं हुआ तो मिलिंग नहीं करेंगे मिलर्स

खाद्य आपूर्ति मंत्री को बताई मिलर्स की समस्या

शहडोल, देशबन्धु। दो दिसम्बर से धान खरीदी शुरु होनी है, लेकिन अपनी समस्याओं और मांगों को लेकर मिलर्स में बेहद असंतोष है। मिलर्स का कहना है कि यदि उनका बकाया भुगतान नहीं हुआ और उनकी समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया तो वह पूरी तरह से मिलिंग का कार्य बंद कर देंगे। अपनी इन्हीं समस्याओं को लेकर मध्य प्रदेश चावल उद्योग महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष आशीष अग्रवाल और वरिष्ठ उपाध्यक्ष हाजी मोहम्मद जकरिया ने गत दिवस खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत खाद्य आयुक्त और नागरिक आपूर्ति निगम के एमडी से मुलाकात की और उन्हें समस्याओं से अवगत कराया। महासंघ की ओर से पांच सूत्रीय मांग पत्र भी सौंपा गया।

मध्य प्रदेश चावल उद्योग महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष आशीष अग्रवाल और वरिष्ठ उपाध्यक्ष हाजी मोहम्मद जकरिया द्वारा खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत को सौंप गए मांग पत्र में उल्लेख किया गया है कि 2 दिसंबर से प्रदेश में धान उपार्जन चालू होने।वाला है एवं शासन की मंशा परिवहन, स्टोरेज एवं सूखत से होने वाली हानि को बचाने के लिए अधिक से अधिक धान समितियों से सीधे मिलर्स को मिलिंग हेतु प्रदाय करने की है। लेकिन मिलर्स की समस्याओं के निराकरण के बिना प्रदेश में उपार्जन वर्ष 2024-25 में उपार्जित होने वाली धान की मिलिंग चालू हो पाना संभव नहीं है।

कठिनाइयों से गुजर रहे मिलर्स-मांग पत्र में उल्लेख किया गया है कि प्रदेश के मिलर्स द्वारा वर्ष 2022-23 में जमा किए गए बारदाने का उपयोगिता व्यय की राज्यांश राशि, मिलिंग, परिवहन एवं जमा किए गए अतिरिक्त बारदाने की राशि एवं वर्ष 2023-24 में जमा किए

गए बारदाने की उपयोगिता व्यय राशि, सीएमआर के साथ मिक्सिंग करके जमा किए गए एक प्रतिशत एफआरके की राशि, मिलिंग, परिवहन, हमाली की राशि आज दिनांक तक अप्राप्त है जिसकी वजह से मिलर्स आर्थिक कठिनाइयों से गुजर रहे हैं। बैंको की किस्तें, बिजली बिल एवं अन्य खर्चे वहन ना कर पाने की वजह से मिलर्स बैंक डिफाल्टर होने की स्थिति में आ गए हैं।

हमाली खर्च बढ़ गया-मिलर्स को सीएमआर भारतीय खाद्य निगम में जमा करने पर विभाग द्वारा प्रतिवर्ष रेशों अनुसार अपग्रेडेशन राशि दी जाती है। लेकिन उपार्जन वर्ष 2023-24 में की गई मिलिंग पर अपग्रेडेशन राशि दिए जाने संबंधी आदेश जारी नहीं किए गए है। अत: उपार्जन चालू होने के पूर्व 2023-24 एवं 2024-25 हेतु अपग्रेडेशन राशि दिए जाने संबंधी आदेश जारी करवाएं।

यह भी बताया गया है कि मिलर्स द्वारा मिलिंग हेतु उठाई गई धान की लोडिंग अनलोडिंग एवं सीएमआर चावल की मिल प्वाइंट की लोडिंग एवं गोदाम प्वाइंट की अनलोडिंग का भुगतान प्रतिवर्ष शासन द्वारा किया जाता है, लेकिन उपार्जन वर्ष 2023-24 में की गई मिलिंग पर लोडिंग अनलोडिंग में से केवल चावल की गोदाम प्वाइंट की अनलोडिंग 4.75 रुपए प्रति क्विंटल से देने के निर्देश दिए गए है। शेष धान की लोडिंग अनलोडिंग एवं चावल की मिल प्वाइंट की लोडिंग दिए जाने के संबंध में आज दिनांक तक मुख्यालय द्वारा कोई आदेश जारी नहीं किया गया है। जबकि महंगाई बढ़ने की वजह से पूर्व के वर्षों की तुलना में हमाली खर्च बढ़ गया है, अत: मिलर्स को हमाली दिए जाने संबंधी आदेश जारी करें।

जल,जंगल, जमीन के अधिकारों की लड़ाई लड़ी बिरसा मुंडा ने

उमरिया, देशबन्धु। जिले के डगडौआ में जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया। मानपुर और बांधवगढ़ के दोनों विधायकों सहित जिला पंचायत अध्यक्ष ने बिरसा मुंडा के जीवन के बारे में जनता को जानकारी दी। विधायक मीना सिंह ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने जनजातीय समाज को खड़ा करने, भारतीय संस्कृति की रक्षा करने और जल ,जंगल, जमीन के अधिकारों की लड़ाई लड़ी है। वे ऐसे सपूत थे जिन्होंने स्वतंत्रता आन्दोलन के पूर्व ही परिस्थितियों को भांप लिया था और स्वतंत्रता के लिए आन्दोलन शुरू कर दिया था।

बांधवगढ़ के विधायक शिवनारायण सिंह ने कहा कि बिरसा मुंडा भारत के एक आदिवासी सेनानी और लोक

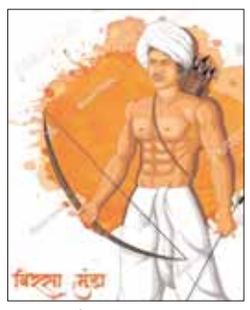

नायक थे। जिनकी ख्याति अंग्रेजों के खिलाफ स्वतंत्रता संग्राम में काफी हुई थी। उनके चलाए गए आंदोलन ने बिहार और झारखंड में प्रभाव डाला। सिर्फ 25 साल की उम्र में इतने मुकाम हासिल कर लिए थे कि आज भी भारत की जनता उन्हें याद करती है।

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर को रांची जिले के उलिहतु गांव में हुआ था। मुंडा रीति रिवाज के अनुसार उनका नाम बृहस्पतिवार के हिसाब से बिरसा रखा गया था। बिरसा के माता-पिता का नाम सुगना मुंडा और माता का नाम करमी हटू था। जनजातीय संस्कृति की रक्षा स्वाभिमान स्वराज की स्थापना के लिए अंग्रेजों से लड़ाई करते हुए जनजातीय वर्ग के उत्थान के लिए बिरसा मुंडा ने अथक प्रयास किए। उनके जन्म दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम जन योजना की तर्ज पर धरती आबा जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान शुरू किया, इसमें दो पैरामीटर स्थापित किए गए है। अभियान के तहत जिले में 334 ग्रामों का चयन किया गया है, जहां 18 विभागों के 15 पैरामीटर तय किए गए हैं। जिसमें आवास, रोड, बिजली शामिल है।

घर में घुसे तेंदुए को पकड़ कर जंगल में छोड़ा

शहडोल, देशबन्धु। एक ग्रामीण के घर में घुसे तेंदुए को वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर सुरक्षित जंगल में भेज दिया है। मुख्य वन संरक्षक अजय कुमार पाण्डेय एवं वनमण्डलाधिकारी उत्तर शहडोल सुश्री श्रद्धा पन्द्रे के निर्देशन और उप वन मण्डलाधिकारी जयसिंहनगर मुकुल सिंह ठाकुर के कुशल मार्गदर्शन मे पीएम परिक्षेत्र सहायक बांसा से शैखू बैगा साकिन ढोलर के घर में वन्य प्राणी तेन्दुआ के प्रवेश होने की सूचना प्राप्त हुई।

वनमण्डलाधिकारी उत्तर शहडोल द्वारा क्षेत्र संचालक बाधवगढ़ टाईगर रिजर्व उमरिया एवं क्षेत्र संचालक संजय गांधी नेशनल पार्क दूरभाष पर सम्पर्क स्थापित कर रेस्क्यू दल बुलाया गया। इसके पश्चात् प्रात: 04 बजे रेस्क्यू दल एवं चिकित्सक की उपस्थिति में वन्य प्राणी तेन्दुआ को घर से बाहर निकालने के लिये उक्त घर में पीछे की ओर दीवार पर छेद कर बाहर निकालने के लिए वैकल्पिक रास्ता बनाया गया। कुछ देर बाद घर के अन्दर प्रवेश कर निरीक्षण किया गया तो उक्त वन्यप्राणी घर के अन्दर नही पाया गया। इस प्रकार उक्त वन्य प्राणी दीवार में किये गये छेद से सुरक्षित बाहर निकल गया।

वन्यप्राणी के पग चिन्ह बीट ढोलर के कक्ष क्रमांक पी.एफ. 510 की ओर पाए गए। उक्त पूर्ण कार्यवाही मे मुकल सिंह ठाकुर उप वन मण्डलाधिकारी जयसिंहनगर, तरूणेन्द्र सिंह परिक्षेत्र अधिकारी अमझोर, दिनेश पटेल परिक्षेत्र अधिकारी जयसिंहनगर, डॉ. अभय सेंगर चिकित्सक संजय टाईगर रिजर्व, बाधवगढ़ रेस्क्यू दल एवं वन परिक्षेत्र अमझोर के समस्त अमले की सराहनीय भूमिका रही।

वन मण्डलाधिकारी उत्तर शहडोल सुश्री श्रद्धा पन्द्रे ने लोगों से अपील की है कि कोई भी वन्य प्राणी गांव के आस-पास दिखे तो घबराएं नहीं और वन्य प्राणी के साथ छेड़खानी नही करें। वन्य प्राणियों से दूरियां बनाएं रखें व सतर्क रहे।

जनजातीय गौरव दिवस पर प्रतियोगिता आयोजित

केन्द्रीय संचार ब्यूरो ने कन्या छात्रावास में किया आयोजन

शहडोल, देशबन्धु। भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय केन्द्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय शहडोल द्वारा 15 नवम्बर को भगवान बिरसा मुंडा स्मरण करते हुए जनजातीय गौरव दिवस पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से एपी. सिंह व्याख्याता शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, श्रीमती गीता पटेल अधीक्षिका शासकीय महाविद्यालय आदिवासी कन्या छात्रावास, श्रीमती तारा आमो अधीक्षिका उत्कृष्ट कन्या छात्रावास एवं श्रीमती कृष्णा टेकाम अधीक्षिका आदिवासी कन्या छात्रावास आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मंचस्थ अतिथि ए.पी. सिंह ने छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री जी ने 2021 में आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को स्मरण करते हुए 15 नवम्बर को

जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने हेतु घोषणा की थी।

उन्होंने बताया कि आदिवासी समुदाय के महानायक जननायक बिरसा मुण्डा जिन्होंने 1895 में आदिवासियों पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ आंदोलन की शुरूआत की थी। ब्रिटिश हुकूमत के दौरान अंग्रेजो द्वारा प्राकृतिक संसाधनों पर भूमिकर लगाना तथा जल, जंगल, जमीन पर कब्जा करना, जनजातियों के धर्म परिवर्तन पर दबाव डालना जैसी प्रक्रिया शामिल थी, जिससे आहत होकर आदिवासी समुदाय को एकजुट करने तथा अपनी आजादी के लिए अनेक युद्ध किए।

किरण और मधु रहीं प्रथम-कार्यक्रम के दौरान छात्राओं के मध्य पोस्टर, पेंटिंग, रंगोली एवं प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता में किरण सिंह कक्षा 12 प्रथम स्थान, रोहणी पनिका द्वितीय स्थान एवं

संध्या सिंह तृतीय स्थान पर रही। वहीं रंगोली प्रतियोगिता मे मधु कुंवर प्रथम स्थान, शिवानी सिंह द्वितीय स्थान तथा अर्चना सिंह तृतीय स्थान पर रही। प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने अपनी प्रतिक्रियाऐं व्यक्त करते हुये अपने विचार प्रस्तुत किये। पश्चात विजित प्रतिभागी को मंचस्थ अतिथियों के कर कमलों से पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

प्रभारी प्रचार अधिकारी एच.के. मारकवाड़े ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए जनजातीय गौरव दिवस पर विधिवत विस्तार पूवर्क जानकारी प्रदान की। उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में कन्या छात्रावास, महाविद्यालय आदिवासी छात्रावास, उत्कृष्ट कन्या छात्रावास तथा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं प्रवीण मिश्रा का सहयोग सराहनीय रहा।